वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 95 | बुधवार 2 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में जुलाई के सभी 31 दिन हुई बारिश

74 बांध ओवरफ्लो होकर बहने लगे, 12 जिलों में सीजन का कोटा पूरा हुआ

जयपुर

इस मानसून सीजन में जुलाई में इस बार एक भी दिन ऐसा नहीं रहा है जब राजस्थान पूरी तरह सूखा रहा हो। हर दिन कहीं न कहीं बारिश हुई। इतना ही नहीं इस बार बारिश का ट्रेंड भी थोड़ा बदला दिखाई दिया। मानसून के बादल हाड़ौती (कोटा, झालावाड़, बारां, बूंदी) और वागड़ (प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा) के बजाए रेगिस्तान के इलाकों में जमकर बरसे। इस कारण इस बार मानसून के आधे सीजन (जून-जुलाई) में ही 12 जिलों में बारिश कोटा पूरा हो गया। राज्य में इस महीने (1 से 31 जुलाई तक) औसत बरसात 228.4MM हुई है, जो जुलाई माह में होने वाली औसत बारिश से 40 फीसदी ज्यादा है। 12 साल में 5वीं 200MM से ज्यादा बरसात मौसम केन्द्र जयपुर से मिली रिपोर्ट देखें तो पिछले 12 साल में ये 5वां सीजन है। जब जुलाई में 200MM से ज्यादा बारिश हुई हो। इससे पहले साल 2022, साल 2017, 2015 और 2013 में जुलाई के महीने में 200MM या उससे ज्यादा पानी बरसा था। सबसे ज्यादा बरसात पिछले सीजन में 270.2MM हुई थी।

12 जिलों में जुलाई में ही सीजन का कोटा पूरा

राजस्थान में जिलेवार स्थिति देखें तो 33 में से 12 जिले ऐसे है जिनमें मानसून सीजन की बारिश का कोटा पूरा हो गया। इसमें पश्चिमी राजस्थान के 10 में से 8 (बाड़मेर, बीकानेर, गंगानगर, जैसलमेर, जालोर, जोधपुर, नागौर, पाली) ऐसे जिले हैं जहां मानसून की बारिश का कोटा पूरा हो गया। वहीं, पूर्वी राजस्थान के अजमेर, झुंझुनूं, राजसमंद, सिरोही में भी सीजन का कोटा पूरा हो चुका है। अभी मानसून के दो माह बचे हैं। ऐसे में संभावना है कि इन जिलों में इस बार बहुत ज्यादा बारिश हो सकती है।

74 बांध हुए ओवरफ्लो

अच्छी बारिश के कारण राज्य में 74 बड़े छोटे बांध में जुलाई में ओवरफ्लो होकर छलक गए। राज्य में कुल 690 बांध है, जिनमें से 144 बांध इस सीजन में अब तक भर चुके है। इनमें से 172 बांध अब भी सूखे हैं, जबकि 374 बांध आंशिक रूप से भरे है। बीसलपुर बांध का गेज भी 1 मीटर से ज्यादा बढ़ चुका है। जयपुर मौसम केन्द्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- राज्य में जुलाई में इस बार एक जून से जुलाई तक सामान्य से 78 फीसदी ज्यादा बरसात हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अधिकांश बारिश पश्चिमी राजस्थान के जिलों में हुई है। उन्होंने बताया कि अगस्त में राजस्थान में बारिश सामान्य से कम होने का पूर्वानुमान है।

राजस्थान में अगस्त में इस बार बारिश सामान्य से भी कम होने का अनुमान है। केन्द्रीय मौसम विभाग नई दिल्ली से जारी फोरकास्ट में ऐसी संभावना जताई है। इसके पीछे कारण अलनीनों का पॉजिटिव होना और इंडियन ओशियन डायपोल (आईओडी) का न्यूट्रल कंडीशन होना माना जा रहा है। केन्द्रीय मौसम विभाग के डीजीएम डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने बताया- भारत के दक्षिण-पश्चिमी के अधिकांश हिस्सों में अगस्त में साउथ-वेस्ट मानसून कमजोर रह सकता है। जिससे यहां सामान्य से कम बारिश हो सकती है। इसमें राजस्थान, गुजरात के अलावा महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, आंध्राप्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक का हिस्सा है। जबकि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार के अलावा नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों में बारिश सामान्य से थोड़ी ज्यादा हो सकती है।

मौसम केन्द्र दिल्ली से जारी मॉडल के मुताबिक राजस्थान के 60 फीसदी एरिया में अगस्त में बारिश बहुत कम होने का अनुमान है। इसमें पश्चिमी राजस्थान का जोधपुर, बीकानेर संभाग के अलावा उदयपुर संभाग के कुछ जिले शामिल है। वहीं जयपुर, भरतपुर, कोटा और अजमेर संभाग के जिलों में बारिश सामान्य हो सकती है।

श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव का भव्य आयोजन 3 से 10 अगस्त तक

पोस्टर का विमोचन देवस्थान विभाग की मंत्री शकुंतला रावत ने किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

व्यापार मंडल मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण,बाई जी के बैनर तले श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव का भव्य आयोजन 3 से 10 अगस्त तक बड़ी चोपड़ स्थित मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण जी बाई जी में किया जाएगा। इस ज्ञानयज्ञ के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन आज देवस्थान विभाग की मंत्री शकुंतला रावत ने गांधी नगर स्थित सरकारी आवास पर किया। इस मौके पर व्यापार मंडल मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण, बाई जी के अध्यक्ष श्रीराम शर्मा,मंत्री महेन्द्र शर्मा, मुकेश थावरिया, हनुमान सोनी,चंदाराम गुर्जर व जयकुमार सोनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। व्यापार मंडल मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण,बाई जी के अध्यक्ष श्रीराम शर्मा व मंत्री महेन्द्र शर्मा ने बताया कि भागवत कथा का शुभारंभ 3 अगस्त को सुबह 9 बजे श्री गोविन्द देव जी मंदिर से 201 महिलाओं की निकलने वाली कलशयात्रा से होगा। इसके बाद दोपहर में 2 बजे से व्यासपीठ से वृंदावन नंदगांव के परम पूज्य श्याम सुंदर गोस्वामी जी भागवत महात्म्य,धुंधकारी व गौकर्ण कथा पर प्रवचन करेंगे। महोत्सवके तहत 4 को श्री शुक्रदेव जन्म,हिरण्याक्ष वध व कपिल श्रुति संवाद, 5 को सती चरित्र, नृसिंह अवतार,श्री मोहिनी व वामन प्राकट्य की कथा सुनाएंगे। उन्होंने बताया कि इसी तरह 6 को गजेन्द्र मोक्ष,श्री राम जन्म के बाद भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नंदोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। महोत्सव के तहत 7 को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला,कालिया मर्दन के बाद गिर्राज पूजन व 56 भोग की झांकी सजाई जाएगी। महोत्सव के तहत 8 को श्री रास पंचाध्यायी, उद्धव गोपी संवाद,कंस उद्धार व रूकमणि विवाह के बाद अंतिम दिन 9 को सुदामा चरित्र,परीक्षित मोक्ष व भागवत पूजन के साथ कथा की पूणार्हुति होगी।

महान गायक मोहम्मद रफी को श्रद्धांजलि

तुम्हारी जुल्फ के साए में शाम कर लूंगा

जयपुर. शाबाश इंडिया। पर्यटन विभाग एवं जवाहर कला केन्द्र की सहभागिता से मधुरम संस्था के अंतर्गत जवाहर कला केंद्र में यादें रफी कार्यक्रम में जयपुर और देश के जाने माने कलाकारों ने महान गायक मो.रफी के सुप्रसिद्ध नगमे सुना कर दर्शको का दिल जीता। कार्यक्रम की शुरूआत में गायक संजय रायजादा ने ''तू ही वो हसीन है'' गाकर श्रोताओं का मन मोह लिया । उसके बाद जावेद हुसैन ने मदन मोहन की कंपोजीशन तुम्हारी जुल्फ के साए में शाम कर लूंगा सुनाकर तालियां बटोरी ।सुप्रसिद्ध गायक डॉ गौरव जैन ने ओ मेरे सहेखुंबा ओ मेरी जाने अपनी सुरीली आवाज में गाया। मोअज्जम हुसैन ने गुलाबी आंखें जो तेरी देखी सुनाया। कार्यक्रम में कई दो गाने भी पेश किए गए जिसमे जावेद हुसैन और पायल भट्टाचार्य ने दीवाना हुआ बादल गौरव जैन और दीपशिखा ने आपको प्यार छुपाने की संजय रायजादा दीपशिखा ने धीरे धीरे चल चांद गगन में नीलम शर्मा ने गर तुम भुला ना दोगे गाया। कार्यक्रम को सुरीला और संगीतमय में बनाने में तबले पर सावन डांगी, ढोलक पर पावन डांगी, कीबोर्ड पर रहबर हुसैन, सेक्सफोन पर रशीद खान, गिटार पर सुनील कुमार और पैड पर वसीम खान ने असरदार संगत कर मोहम्मद रफी की यादों को ताजा किया।

शांतिनाथ मण्डल विधान की पूजा अर्चना कर अनुष्ठान किया

विमल जोला. शाबाश इंडिया

गुन्सी, निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज विज्ञा तीर्थ के श्रद्धालुओं द्वारा सहस्त्रकूट विज्ञा तीर्थ गुन्सी मे मंगलवार को गणिनी आर्यिकारत्न विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में संगीतमय शांतिनाथ मण्डल विधान आयोजित किया गया जिसमें माताजी के मंत्रोच्चार द्वारा सोधर्म इन्द्र संजय कुमार नितिन कुमार चिराग जैन सोगानी के परिवारजनो को भगवान शांतिनाथ का अभिषेक शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान गाजेबाजे के साथ शांतिनाथ मण्डल विधान का शुभारंभ किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि विधान के सौधम इन्द्र संजय कुमार एवं शशी सोगानी द्वारा मण्डप पर पांच मंगल कलशों की

स्थापना की गई। इस दौरान विधान मे विनय पाठ देव शास्त्र गुरु पूजा शांतिनाथ भगवान पूजा आर्यिका विज्ञाश्री माताजी की पूजा के साथ शांतिनाथ मण्डल विधान की विशेष पूजा अर्चना की गई। जिसमें इन्द्र इन्द्राणियो सहित कई श्रद्धालुओं ने बाबा शांतिनाथ के दरबार में भक्ति नृत्य किए। जौंला ने बताया कि विधान मे सोधर्म इन्द्र द्वारा चार वलय मे 130 अर्ध्य एवं महाअर्ध्य समर्पित किये। विधान के अन्त मे भगवान शांतिनाथ भगवान की आरती उतारी गई। इस अवसर पर राजेन्द्र कुमार बगडी.महावीर पसाद पराणा महेन्द्र चवंरिया विष्णु बोहरा हितेश छाबड़ा राजेश सांवलिया सुनील भाणजा महेश मोठूका अरविंद जैन संजू जौंला आभा जैन चारुल जैन सहित अनेक लौग मौजूद थे। जौंला ने बताया कि बुधवार को आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का 51 वां अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा।

श्री गोवर्धन नाथ जी प्रभु व मथुराधीश स्वामी प्रभु के मनोरथों के दर्शन

सजी 56 भोग बड़े मनोरथ की आकर्षक झांकी

जयपुर. शाबाश इंडिया। अधिक मास के अवसर पर श्री वल्लभ पुष्टिमार्गीय मंदिर प्रबंध समिति व श्री पुष्टिमार्गीय वैष्णव मंडल,जयपुर के बैनर तले मोहनबाड़ी स्थित श्री गोवर्धननाथ जी मंदिर में श्री गोवर्धन नाथ जी प्रभु व मथुराधीश स्वामी प्रभु के मनोरथों के दर्शन व 56 भोग महामहोत्सव के तहत आज 56 भोग बड़े मनोरथ की झांकी सजाई गई,जो भक्तों के बीच आकर्षक का केन्द्र रही। झांकी के दर्शनार्थ देर रात तक भक्तों का तांता लगा रहा। कार्यक्रम संयोजक नटवर गोपाल मालपानी ने बताया कि समापन मंगलवार साम 7 बजे को कमल तलाई में छतरी का मनोरथ झांकी से होगा।

नथमल बंसल दूसरी बार अध्यक्ष बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। शेखावाटी अग्रवाल समाज संस्था के चुनाव आज एमआई रोड स्थित होटल गोल्डन ट्यूलिप में सम्पन्न हुए। इस चुनाव में दूसरी बार नथमल बंसल को अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा प्रकाश सराफ महामंत्री व महेश देवड़ा को कोषाध्यक्ष चुना गया।

वेद ज्ञान

दृष्टिकोण पर हमारा व्यवहार निर्भर

हमारा आचार-व्यवहार हमारे दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। दृष्टिकोण के दो भेद होते हैं-सकारात्मक दृष्टिकोण और नकारात्मक दृष्टिकोण। सकारात्मक दृष्टिकोण के अंतर्गत हम अपने गुण-अवगुण, कमियों अथवा विशेषताओं का विश्लेषण करते हैं और उनमें सुधार भी करना चाहते हैं। किसी की आलोचना हमें हतोत्साहित नहीं करती। सकारात्मक दृष्टिकोण एक तरह का दर्पण है जिसमें हम अपना आत्मसाक्षात्कार करते हैं। नकारात्मक दृष्टिकोण होने पर व्यक्ति अपने को नहीं, दूसरे को देखता है। यह दृष्टिकोण जीवन में जहर घोलता है। जो व्यक्ति जीवन के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं वे दूसरों को नुकसान पहुंचाने में प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। नकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्ति को नीचे गिराता है और उसका आचरण निम्न स्तर का या घटिया हो जाता है। जीवनशैली प्रभावित हो जाती है। सदैव सशंकित व भ्रमित रहता है। विपरीत परिस्थितियों में शीघ्र घबरा जाता है। उसका आत्मविश्वास कम हो जाता है और निर्णय क्षमता का ह्रास हो जाता है। सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्ति को जीने का संबल देता है। वह यह जानता है कि समाज में रहते हुए मुझे दूसरों की सहायता करना और सहयोग आवश्यक है और दूसरे के सानिध्य से जीवन में सरसता रहती है। सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्ति को लड़ाई-झगड़े व वैमनस्य से दूर रखता है। ऐसे व्यक्ति को जीवन में शांति और तनावरहित होकर रहना पसंद होता है। उसका जीवन के प्रति सापेक्षता का दृष्टिकोण होता है, क्योंकि सापेक्षता ही जीवन की सच्चाई है। सकारात्मक दृष्टिकोण में स्वार्थ पर संयम आवश्यक है। यद्यपि व्यक्तिगत स्वार्थ एक सीमा तक सभी में होता है, परंतु इसको संयमित किया जा सकता है। ऐसा दृष्टिकोण रखने वाला व्यक्ति अपनी सुख-सुविधाओं के साथ दूसरों के सुख-सुविधा का भी ख्याल रखता है। वे जैसे भी हैं उन्हें उसी रूप में स्वीकार करता है, लेकिन साथ में दूसरे भी उसको सहयोग करें ऐसी अपेक्षा रखता है, पर बाध्यता नहीं। अतः दृष्टिकोण पर हमारे जीवन की आधारशिला निर्भर करती है। सकारात्मक दृष्टिकोण से जीवन को सरसता, सहजता मिलती है। तनाव से मुक्ति पाकर दृढ़ इच्छाशक्ति का परचम लहराते हुए व्यक्ति आत्मविश्वास से लबरेज होकर सर्वांगीण विकास की ओर आगे बढ़ता है।

संपादकीय

तकनीक का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है...

मौजूदा दौर में आधुनिक तकनीकों को वक्त के साथ चलने का एक अहम साधन माना जाता है। यह काफी हद तक सच भी है। लेकिन अगर यही साधन बहुत सारे कामों में सुविधाएं मुहैया कराने के समांतर व्यक्तित्व के सामान्य विकास में बाधक बनने लगें तो इस पहलू पर भी गौर किया जाना चाहिए। इस लिहाज से हरियाणा के जींद जिले में ढिगाना पंचायत की शिकायत के संदर्भों पर विचार किया जा सकता है कि सरकार से मिले 'टैबलेट' बच्चों के लिए एक बड़ी समस्या बन रहे हैं। गौरतलब है कि हरियाणा सरकार ने नौवीं से बारहवीं कक्षा के लगभग आठ लाख बच्चों को टैबलेट दिए थे, ताकि वे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हुए तकनीक की दौड़ में पीछे न रह जाएं। बच्चों को टैबलेट देने के पीछे सरकार की मंशा अच्छी हो सकती है कि बच्चे इसका इस्तेमाल पढ़ाई-लिखाई के लिए करेंगे और तकनीक के साथ शिक्षा हासिल करने को लेकर अभ्यस्त भी होंगे। लेकिन यह ध्यान रखने की जरूरत है कि किसी भी संसाधन के उपयोग का परिणाम इस पर निर्भर करता है कि उसे किस तरह संचालित किया गया।

दरअसल, ढिगाना पंचायत के लोगों की शिकायत का आधार यही है कि जिन बच्चों को टैबलेट उपलब्ध कराया गया है, वे उसका इस्तेमाल पढ़ाई-लिखाई के बजाय दूसरी अवांछित गतिविधियों के लिए ज्यादा कर रहे हैं। अभिभावकों की परेशानी यह है कि सरकार से मिले टैबलेट बच्चों को पढ़ाई से दूर ले जा रहे हैं, वे उनमें आपत्तिजनक चीजें देख रहे हैं, पढ़ने की जगह 'गेम' खेलते हैं, इसलिए इन्हें वापस लिया जाए। हालांकि सरकार ने टैबलेट देते समय उसमें मोबाइल यंत्र प्रबंधन प्रणाली लागू करने की बात कही थी, जिसके जरिए उनमें अनेक वेबसाइटों को प्रतिबंधित किया जा सकता है। लेकिन अब भी बच्चे टैबलेट में नए-नए ऐप डाल कर उसमें पूरे दिन गेम खेलते और गैरजरूरी सामग्री देखते-पढ़ते हैं। निश्चित रूप से आज के दौर में पंचायत और वहां के लोगों की इस शिकायत को अलग-अलग नजरिए से देखा जाएगा। तकनीकी को आधुनिक जीवनशैली के लिए अनिवार्य मानने वाला तबका इसे बच्चों को भविष्य की प्रतियोगिता से बाहर करने और आगे बढ़ने की दौड़ में पीछे करने की कोशिश के तौर पर देखेगा। सवाल है कि अगर आधुनिकता और विकास के सफर में बने रहने के लिए जरूरी कोई संसाधन बच्चों के सोचने-समझने की प्रक्रिया को बाधित करने और इसके बाद समूचे व्यक्तित्व पर विपरीत असर डालने वाला साबित होने लगे तो उसे कैसे देखा जाएगा। आधुनिक तकनीकी के बहुस्तरीय फायदे हैं, लेकिन यह तभी संभव है जब इसके सही उपयोग को लेकर जरूरी सजगता और प्रशिक्षण हो। खासतौर पर बच्चों का जिज्ञासु और कोमल मन-मस्तिष्क नई चीजों का उपयोग करते हुए उसकी जटिलताओं से अनभिज्ञ होता है और इसी क्रम में कई बार इंटरनेट पर मौजूद आनलाइन गेम या फिर आपत्तिजनक वीडियो जैसी अवांछित सामग्रियों के संसार में प्रवेश कर जाता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

हिंसा पर चेतावनी

सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों और निर्देशों पर अमल न करना जैसे सरकारों की आदत बन गई है। वे प्रायः उनसे बचने का प्रयास करती या फिर उन्हें नजरअंदाज करती देखी जाती हैं। भीड़ हिंसा के मामले में पांच साल पहले सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सुझाए उपचारात्मक उपायों पर अमल करने संबंधी निर्देशों के मामले में भी यही हुआ। अगर केंद्र और राज्य सरकारों ने गंभीरता से उन उपायों पर अमल किया होता तो नए सिरे से भीड़ हिंसा की घटनाएं न हो पातीं। मगर ऐसी घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी ही हुई है। इसे लेकर दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और महाराष्ट्र, ओड़ीशा, राजस्थान, हरियाणा, बिहार और मध्यप्रदेश की राज्य सरकारों से पांच साल पहले जारी निर्देश के बाद से वर्षवार आंकड़े तलब किए हैं कि भीड़ हिंसा रोकने की दिशा में क्या काम किए गए हैं। गौरतलब है कि पांच साल पहले तहसीन पूनावाला मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और राज्य सरकारों को कड़ी चेतावनी देते हुए ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कुछ उपचारात्मक उपाय सुझाए थे, जिन पर सभी राज्यों को अनिवार्य रूप से अमल करना था। मगर स्थिति यह है कि जब-तब विभिन्न राज्यों से गोमांस तस्करी के शक में या फर्जी खबरों, अफवाहों के प्रभाव में भीड़ हिंसा की घटनाएं सामने आ जाती हैं। पिछले कुछ वर्षों में भीड़ हिंसा एक भयावह अराजक प्रवृत्ति के रूप में उभरी है। सबसे अधिक ऐसी घटनाएं गोरक्षा के नाम पर हुई हैं। समाज में कुछ ऐसे स्वयंभू गोरक्षक दल पनपे हैं, जो गोमांस और गो-तस्करी पर निगरानी रखते हैं। अगर इन्हें किसी भी तरह का शक होता या कहीं से कोई सूचना मिलती है कि गोमांस या गायों की तस्करी की जा रही है, तो वे मामले की बिना जांच-पड़ताल किए हमला कर देते हैं। कई मामलों में तो जघन्यतम हत्याएं कर दी गईं। इनमें विशेष रूप से एक ही समुदाय के लोग शिकार बनते हैं। ऐसी घटनाओं के मद्देनजर तहसीन पूनावाला मामले की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि किसी भी व्यक्ति या समूह को इस तरह निगरानी करने, कानून को अपने हाथ में लेने और ऐसे मामलों का फैसला सड़क पर करने का अधिकार नहीं है। जब किसी प्रकार के विचार वाला कोई समूह कानून को अपने हाथों में लेता है तो इससे अराजकता और अव्यवस्था फैलती है और अंततः हिंसक समाज का उदय होता है। यह शासन और संविधान के ऊंचे मूल्यों का अपमान है। सर्वोच्च न्यायालय ने भीड़ हिंसा को रोकने के लिए सरकारों को सख्त हिदायत देते हुए कहा था कि भीड़ हिंसा वाले क्षेत्रों की पहचान कर राज्य सरकारें प्रत्येक जिले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को नोडल अधिकारी के रूप में नामित करें। अपनी शक्ति का प्रयोग करके भीड़ को तितर-बितर करना प्रत्येक पुलिस अधिकारी का कर्तव्य होगा। संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। पुलिस गैर-जिम्मेदाराना प्रचार करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करेगी। मगर हकीकत यह है कि अब भी लोगों को भीड़ के रूप में इकट्ठा होकर हिंसा करने के लिए उकसाने के मकसद से फर्जी और भड़काऊ सूचनाएं प्रसारित करने और निगरानी समूह बनाने वाले बाज नहीं आए हैं।

बिना शुद्ध भावो के सुख की चाह व्यर्थ है : आचार्य विनिश्चयसागर

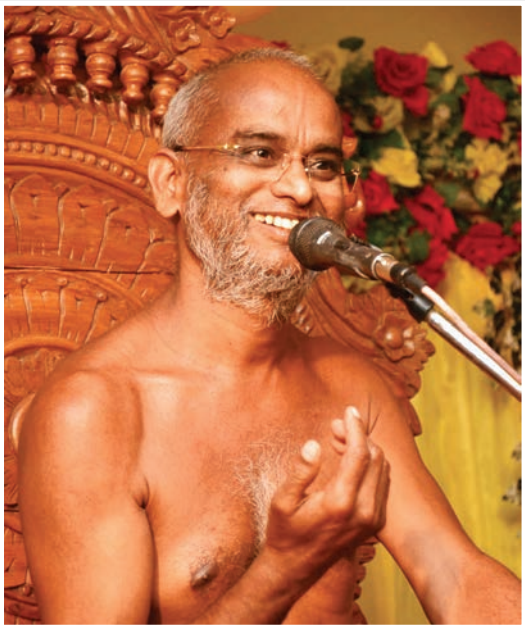

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

भिण्ड। प्रत्येक मनुष्य के मन में एक प्रश्न रहता है की भगवान से कुछ मांगना चाहिए या नहीं मांगना चाहिए । इस संबंध में जिनागम तो सीधा सा उत्तर देता है कि क्या सूर्य से धूप मांगनी पड़ती है ? नहीं मांगनी पड़ती जिस प्रकार सूर्य से धूप मांगनी नहीं पड़ती, सिर्फ उस धूप के संपर्क में आना पड़ता है । उस धूप को लेने योग्य स्थिति बनानी पड़ती है। सूर्य तो स्वमेव ही धूप देता है । वैसेही भगवान स्वमेव ही सबकुछ देते हैं। अगर आपको सूर्य से धूप नहीं मिल रही तो इसका सीधा सा मतलब है कि अभी आप कमरे में बंद बैठे हैं, अभी आप सूर्य के संपर्क में नहीं आए हैं। उक्त विचार बाक्केशरी आचार्य श्री विनिश्चयसागर जी महाराज ने श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय, बतासा बाजार भिण्ड में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री विनिश्चयसागर महाराज ने अपने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान की कृपा तो निरंतर बरसती रहती है और बरस रही है । बस आप बुरे भावो के, छल कपट के कमरे में बंद बैठे हैं । हे भव्यात्मा, कम से कम भगवान के सामने तो शुद्ध मन से, निष्कपट, निश्छल भाव से आओ। कम से कम यहां तो अपने कमरे की खिड़की व दरवाजे खोलो। तभी तो भगवान की कृपा अंदर प्रवेश करेगी । बंद कमरे में धूप की आस और बिना शुद्ध भावो से सुख की चाह करना व्यर्थ है। ज्ञातव्य हो कि बाक्केशरी आचार्य श्री विनिश्चयसागर जी महाराज का पावन वर्षायोग श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय मंदिर, बताशा बाजार भिण्ड में विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ चल रहा हैं।

जब तक नहीं मिलेगा मोक्ष कर्मों से नहीं छूटेगा पीछा: इन्दुप्रभाजी म.सा.

अभिग्रह लेना कमजोर के बस की बात नहीं, महापुरूष होते अभिग्रहधारी-चेतनाश्रीजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जिंदगी कर्मो का खेल है। कर्म से बचा नहीं जा सकता। संयम, साधना, तप-जप कर कर्मो को काटा जा सकता है। कर्मो से डरेंगे तो वह खत्म हो जाएंगे। जब तक मोक्ष नहीं होगा कर्म हमारा पीछा नहीं छोड़ेंगे। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में मंगलवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जीवन में कर्मो का हिसाब करना ही पड़ता है। एक बार जो कर्म किए उसके फल अवश्य मिलते है। मन एक बार फट जाए तो फिर वापस नहीं जुड़ सकता भले दिखाने के लिए जुड़ भी जाए लेकिन वैसा प्रेम नहीं हो सकता। जिनशासन का गौरवमय इतिहास बताता है कि संसार असार है। साध्वीश्री ने जैन रामायण के विभिन्न प्रसंगों का वाचन करते हुए बताया कि किस तरह पवनजय अंजना को देखने जाते है। वहां से लौटते समय उनका राग मिट द्वेष उत्पन्न हो जाता है। पवनजय के मन में आता है कि अंजना अच्छी नहीं है ओर मित्र से कहते में है में इससे शादी नहीं करूंगा। मित्र के समझाने के बाद पवनजय शादी के लिए तैयार हो जाते है एवं तोरण मार देते है लेकिन अंजना समझ जाती है कि वह उससे प्रेम नहीं करते है। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने माला जपने का महत्व बताते हुए कहा कि माला में मन रमाने पर आत्मकल्याण हो जाता है। अध्यात्म को पाकर ही जीवन सार्थक हो सकता है। उन्होंने अभिग्रहधारी वेणीचंदजी म.सा. की कठिन तपस्या का जिक्र करते हुए कहा कि अभिग्रह लेना कमजोरों के बस की बात नहीं है, महापुरूष ही अभिग्रहधारी हो सकते है। महापुरूषों के अंग-अंग में लब्धि होती है। उनका स्पर्श मात्र भी लब्धि होता है। साध्वीश्री ने कहा कि तपस्वी की हर चीज औषधि होती है। क्लिष्ट कर्मो को समाप्त करने के लिए अभिग्रह व्रत जरूरी होता है। वह भाग्यशाली होते है जो नवकार मंत्र सुनते हुए अंतिम श्वास लेते है। हर परिस्थिति में अपने धर्म के प्रति दृढ़ श्रद्धावान एवं आस्थावान बने रहे। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी दर्शनप्रभाजी म.सा.,तत्वचिंतिका1 डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा.,नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। धर्मसभा में ब्यावर, रामगढ़ आदि स्थानों से आए अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रावक-श्राविका बड़ी संख्या में मौजूद थे। धर्मसभा का संचालन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना का आयोजन हो रहा है। प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र जाप हो रहा है। रूप रजत विहार में मंगलवार सुबह 8.30 से 9.15 बजे तक सर्वसुखकारी व सर्वव्याधि निवारक घण्टाकर्ण महावीर स्त्रोत जाप का आयोजन किया गया। तत्वचिंतिका डॉ.समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने ये जाप सम्पन्न कराया। इसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लेकर सभी तरह के शारीरिक कष्टों के दूर होने एवं सर्वकल्याण की कामना की।

सोच सम्यक ओर दृष्टि सम्यक हो जाए तो मनुष्य अपनी आत्मा मोक्ष प्राप्त करवा सकता है: साध्वी धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। मनुष्य की सोच सम्यक ओर दृष्टि सम्यक हो तो आत्मा मोक्ष प्राप्त करवा सकता है। मंगलवार साहूकार पेठ के मरूधर केसरी दरबार मे साध्वी धर्मप्रभा ने श्रध्दालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जो आत्मा आत्मा मे लीन है वही वस्तु त सम्यक दृष्टि है। हमारी दृष्टि मे परिवर्तन हो जाए तो जागरण हो जाएगा। जब जागरण हो जाता है तो हमे सम्यक दृष्टि प्राप्त हो जाएगी। एक सम्यक दृष्टि जीव कितने ही व्यक्तियो कि जिंदगी को बदल देता है । जिन जीवो का संसार अर्थ पुद्गल परावर्तन से कम हो किंतु राग द्वेष रूप ग्रंथि का वेतन नहीं हुआ हो तो वह जीव सम्यक दर्शन नहीं प्राप्त कर सकते हैं क्योंकि राग द्वेष की

तीव्रता सम्यक की घातक है जिस समय में सहज स्वभाव से उपशम भाव पैदा होते है तब मोह आदि दोष दूर होते है। ओर सम्यकत्व प्रकट होता है। सम्यक दृष्टि जीव वाद विवाद पर निंदा ओर राग देवेश नहीं करता, शांत दांत और गुणवंत होता है जैसे कीमती औषधि उपस्थित सेवंथ करने वाले लाभ नहीं देती है उसी प्रकार ऊंची भक्ति साधना भी सम्यक्त्व के अभाव मे फल नहीं देती है। सम्यक दृष्टि जीव गुणानुरागी होता है अर्थात दूसरों के अवगुण नहीं देखता है सिंफ अपने ही गुणों देखता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने धर्मसभा में कहा कि जब मनुष्य के अज्ञान का अंधकार दूर नही होगा तब जीवन मे ज्ञान का प्रकाश नहीं होने वाला है। जब ज्ञान का प्रकाश जीवन हो जाएगा तो व्यक्ति अज्ञान मे नहीं भटक पाएगा। और तुच्छ वस्तुओं की प्राप्ति केलिए अपने इस भव को नही बिगड़ने देगा।

भेद-विज्ञान की जागरूकता से ही मोह रुपी बंधन टूटता है: आचार्य अतिवीर मुनि

समीर जैन. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। प्रशममूर्ति आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज (छाणी) परम्परा के प्रमुख संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज के परम पावन सान्निध्य में अतिशय क्षेत्र लाल मन्दिर में मंगल चातुर्मास के अंतर्गत धर्मप्रभावना व ज्ञानगंगा का निरंतर प्रवाह चल रहा है । इस अवसर पर राजधानी दिल्ली के प्राचीन जिनालय श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, कूंचा सेठ, चांदनी चौक में नवनिर्मित 'ह्रीं' वेदी में विराजमान भव्य रत्नमयी चौबीसी के आकर्षक भामण्डल दिनांक 30 जुलाई 2023 को विधि विधान पूर्वक स्थापित किए गए।

सर्वप्रथम पूज्य आचार्य श्री के मुखारविंद से मंत्रोच्चार के साथ चौबीस जिनबिम्ब का मंगल अभिषेक व वृहद शान्तिधारा संपन्न हुई। तत्पश्चात उपस्थित जनसमुदाय ने शाश्वत तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी की भाव-वंदना करते हुए 24 अर्घ्य समर्पित किए। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि प्रत्येक जीव का एकमात्र लक्ष्य केवल आत्मकल्याण होना चाहिए। साधनों से निकलकर जीव को तप-साधना में निरंतर अग्रसित होते हुए कर्मों की निर्जरा करनी चाहिए। आचार्य श्री ने आगे कहा कि जिनालय सम्यक दर्शन की प्राप्ति हेतु प्रमुख केन्द्र है। जिनदर्शन से निजदर्शन की यात्रा ही मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर करती है। भेद-विज्ञान की जागरूकता से ही मोह रुपी बंधन टूट सकता है तथा परम पद की प्राप्ति संभव हो सकती है। प्रत्येक धार्मिक क्रिया या व्रत-उपवास, पूजन, विधान आदि मोक्ष मार्ग में तभी सहायक होंगे जब जीव सम्यक दर्शन रुपी रथ पर आरूढ़ होगा अन्यथा यह सब केवल पुण्यबन्ध में ही कार्यकारी होंगी। उल्लेखनीय है कि पूज्य आचार्य श्री के पावन सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन नया मन्दिर, धर्मपुरा में भगवान आदिनाथ महामस्तकाभिषेक का मंगल आयोजन रविवार, दिनांक 6 अगस्त को किया जा रहा है जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुजन सम्मिलित होकर धर्मलाभ प्राप्त करेंगे।

महापौर श्रीमती सौम्या गुर्जर ने राखी प्रदर्शनी 3 अगस्त के पोस्टर का विमोचन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। राखी के शुभ अवसर पर जयपुर शहर के बंधन ग्रुप द्वारा माह अगस्त,2023 में महिलाओं द्वारा स्व रोजगार हेतु राखी के त्यौहार से संबंधित उत्पादों की बिक्री एवम प्रदर्शनी हेतु कार्यक्रमों से संबंधित पोस्टर का विमोचन ग्रेटर नगर निगम जयपुर की लोकप्रिय महापौर श्रीमती सौम्या गुर्जर द्वारा किया गया। बंधन ग्रुप द्वारा यह प्रदर्शनी दिनाक 3 एवम 4 अगस्त को भट्टारक जी की नसिया जी जयपुर में, दिनांक 11 एवम 12 अगस्त को दिगंबर जैन मंदिर गायत्री नगर जयपुर में एवम दिनांक 18 एवम 19 अगस्त को दिगंबर जैन मंदिर सेक्टर 3, मालवीय नगर जयपुर में आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर प्रदर्शनी के आयोजकों द्वारा महापौर श्रीमती सौम्या गुर्जर को भट्टारक जी की नसिया में आयोजित कार्यक्रम का आमंत्रण भी दिया महापौर द्वारा प्रदर्शनी के आयोजकों को प्रदर्शनी की सफलता की अग्रिम बधाई एवम शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर महापौर ने महिलाओ एवम पुरुषो को आव्हान किया की इस प्रदर्शनी में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेकर महिलाओ एवम आयोजकों का उत्साह वर्धन करे ।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के पदाधिकारियों ने लिया आचार्य सौरभ सागर का आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजधानी के दक्षिण भाग स्थित प्रताप नगर के सेक्टर 8 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में 29 वर्षों में पहली बार चातुर्मास कर रहे दिगंबर जैनाचार्य, जीवन आशा हॉस्पिटल प्रेरणा स्त्रोत आचार्य सौरभ सागर महाराज के दर्शन, मार्गदर्शन लेने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अंतर्राष्ट्रीय संरक्षक, विश्व हिंदू परिषद के मार्गदर्शक एवं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र व्यास के मुख्य आमंत्रित सदस्य दिनेश चंद्र, विश्व हिंदू परिषद् केंद्रीय सहमंत्री हरिशंकर, जयपुर प्रांत संगठन मंत्री राधेश्याम एवं जयपुर प्रांत सहमंत्री विवेक दिवाकर सहित विभिन्न पदाधिकारियों पधारे और लगभग डेढ़ - दो घंटे तक आचार्य श्री से वातार्लाप कर मार्गदर्शन व आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान श्री पुष्प वषायोग समिति गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद वाले, महामंत्री महेंद्र जैन पचाला, कार्याध्यक्ष दुगार्लाल जैन नेताजी, मुख्य समन्वयक गजेंद्र बड़जात्या, महावीर गोयल, प्रमोद जैन बावड़ी वाले, प्रचार संयोजक सुनील साखुनिया एवं चेतन जैन निमोडिया, बाबूलाल जैन इटुंदा, नरेंद्र जैन आवा वाले आदि सहित विभिन्न पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों को तिलक लगाकर, साफा, दुपट्टा, माला पहनाकर स्वागत - सम्मान किया। इससे पूर्व प्रातः 8.30 बजे प्रताप नगर जैन मंदिर के संत भवन में आचार्य सौरभ सागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि नशा, नाश, विनाश जीवन में यह एक दूसरे के पूरक है, जिसने नशे को धारण कर लिया उसका नाश और विनाश निश्चित है। यह वो मीठा जहर है जो शुरू में तो मीठा लगता है मुंह पर चिपक जाता है किंतु जब जिसकी मिठास डाईबीटीज की तरह अपने पांव पसारने लगती है तो जहर बन जाती है और नशे को धारण करने वाले प्राणी का ना केवल नाश कर देती है बल्कि उस प्राणी का विनाश तक कर देती है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ ने विद्यार्थियों को भोजन कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की स्थापना दिवस के उपलक्ष में मनाये जा रहे मानव सेवा पखवाड़े के अंतर्गत 31 जुलाई 2023 को दिगंबर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ, जयपुर द्वारा लंगर के बालाजी, गणगौरी बाजार स्थित राजस्थान नेत्र हीन कल्याण संघ विद्यालय के विद्यार्थियों को भोजन कराया गया। इस अवसर पर फेडरेशन के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, आदिनाथ ग्रुप के अध्यक्ष कैलाश बिंदायक्या, संरक्षक प्रदीप छाबड़ा, ग्रुप सचिव विमल प्रकाश कोठारी, कोषाध्यक्ष रोशन लाल जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। सरंक्षक प्रदीप छाबड़ा, अध्यक्ष कैलाश बिंदायक्या, सचिव विमल जी कोठारी, कोषाध्यक्ष रोशन लाल जैन ने नेत्रहीन संघ के निदेशक, सचिव, संयुक्त सचिव एवम् अन्य पदाधिकारियों का माला पहना कर सम्मान किया। संघ के निदेशक ने आदिनाथ ग्रुप द्वारा किये गए इस मानव सेवार्थ कृत्य की भूरि भूरि प्रशंषा करते हुए ग्रुप का आभार प्रकट किया।

विधानसभा क्षेत्र में खाद गोदाम, केंद्रीय विद्यालय, नगर पंचायत, कॉलेज खोलने की रखी मांग

मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

गौरव जैन सिन्नी. शाबाश इंडिया

अशोकनगर। चंदेरी विधानसभा क्षेत्र में विकास की दरकार को ध्यान में रखते हुए भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष उमेश रघुवंशी ने पिछले दिनों भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की एवं क्षेत्र में भाजपा का प्रतिनिधित्व न होने की वजह से पिछड़ रहे विकास कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने मुख्यमंत्री से ईसागढ़ एवं चंदेरी के किसानों की खाद संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए दोनों जगह खाद वितरण गोदाम खुलवाए जाने की मांग की जिससे लंबी दूर से किसानों को खाद लेने अन्यत्र न जाना पड़े। इसके अलावा उन्होंने ईसागढ़ में केंद्रीय विद्यालय खोले जाने तथा नईसराय को नगर पंचायत का दर्जा देने,डिग्री कॉलेज खोले जाने की भी मांग की। उन्होंने बताया कि नईसराय चंदेरी विधानसभा क्षेत्र का बड़ा कस्बा होने की वजह से वहां का समुचित विकास तभी सुनिश्चित होगा जब वहां नगर पंचायत बन जाएगी, साथ ही वहां के बच्चों को उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के बाद डिग्री कॉलेज के अभाव में ईसागढ़, अशोकनगर अथवा गुना जाना पड़ता है जिससे आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के परिजनों को आर्थिक भार बढ़ने,अन्य परेशानियां होती हैं। अगर वहां डिग्री कॉलेज शुरू होता है तो क्षेत्र के बच्चों विशेषकर बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। उन्होंने ईसागढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम महिदपुर में सीएम राइस स्कूल खुलवाए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। पूर्व जिला अध्यक्ष की मांग पत्र पर मुख्यमंत्री ने सहानुभूति पूर्वक विचार कर मांगो को शीघ्र पूर्ण किए जाने का आश्वासन दिया।

फ्रेंडशिप डे पर त्रिमूर्ति मानसून रन 6 अगस्त को

कुकस की खुबसूरत हरी भरी अरावली पहाड़ियों की बीच में होगा रन, रनर्स बिखेरेंगे हरियाली के बीज

जयपुर. शाबाश इंडिया। फ्रेंडशिप डे के अवसर पर इस बार त्रिमूर्ति मानसून रन के सातवें संस्करण का जयपुर रनर्स क्लब , त्रिमूर्ति बिल्डर्स , और एयू जयपुर मेराथन द्वारा 6 अगस्त को आयोजन कुकस स्थित महाराणा ग्रीन रिसोर्ट से किया जायेगा। जिसमे जयपुर के फिटनेस फ्रीक हिस्सा लेंगे और शहर को हरा भरा रखने का सन्देश देंगे ।

कुकस की खुबसुरत पहाड़ियों में होगा रन: एयू जयपुर मेराथन के सीईओ और जयपुर रनर्स क्लब के को फाउंडर मुकेश मिश्रा, रवि गोयनका और त्रिमूर्ति कोलोनाईजर के निदेशक आनंद मिश्रा ने बताया की कुकस की खुबसूरत पहाड़ियों के बीच में से होते हुए इस रन में जयपुर रनर्स 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर, 5 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे।

रनर्स बिखेरेंगे हरियाली के बीज: जयपुर रनर्स क्लब की अध्यक्ष डॉ. साधना आर्य ने बताया की रनर्स दोड़ते समय अपने हाथों में जामुन ,शीशम ,आम और अन्य फलों के बीज रखेंगे और रन करने के साथ साथ इन को कुकस की पहाड़ियों में बिखेरते चलेंगे और मानसून के इस सीजन में हो रही बारिश से हरियाली को और बढ़ने और पनपने का अवसर मिलेगा।

आँतो की गतिशीलता बढ़ाने के लिए क्या उपाय है?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

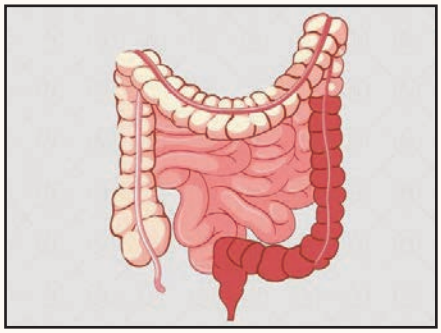

शाबाश इंडिया

आँतों की गतिशीलता का सम्बंध हमारे स्वास्थ्य से है। आँतो की गतिशीलता जीव की प्राणशक्ति के सम्यक संतुलन पर निर्भर करता है। शरीर के भीतर प्राण विचरण करता रहता है और आयुर्वेद के अनुसार इस प्राण की शरीर में अलग अलग स्थान की स्थिति के अनुसार अलग अलग नाम है जैसे प्राण, उदान, व्यान, समान, अपान। यद्यपि आँतो की गतिशीलता को औषधीय उपायों से बढ़ाया जा सकता है परन्तु यह निर्दोष व निरापद नहीं है। आँतों की गतिशीलता के अभाव में कब्ज और अन्य नाना व्याधियाँ होती हैं। कब्ज दूर करने के लिए प्रयोग की जाने वाली औषधि दो प्रकार के कार्य करती है...
मल को आगे की ओर धकेलती है, अथवा/और मल को ढीला करती है। कृत्रिम रीति से आँतों की बढ़ायी गयी इस तरह की क्रियाशीलता आँतों की नैसर्गिक कार्यक्षमता को प्रभावित करती है और कालांतर में इन औषधियों का व्यक्ति व्यसनी हो जाता है।

आँतों की क्रियाशीलता बढाने के निम्न उपाय निर्दोष व कारगर हैं...

प्रातःकाल उठकर भ्रमण करें एवं प्राणायाम करें, आँतों को मजबूती प्रदान करने वाले योगासन करें, स्नान के बाद ही भोजन करें, निरामिष भोजन नियत समय पर करें, चिंता और तनाव से बचें और नित्य ध्यान करें, लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का प्रयोग करें, कार्यस्थल पर एक ही जगह पर लगातार नहीं बैठें, रोग निवारण हेतु अल्प समय के लिए अरंडी का तैल (कॉस्टर ऑइल) का प्रयोग कर सकते हैं। दवाएं सदैव योग्य चिकित्सक की देखरेख में लीजिए। इसबगोल की भूसी का प्रयोग निर्दोष और निरापद है। इस को चार पाँच घंटे तक के लिए पानी में भिगो कर रख दीजिए। हल्का खाना खाने के बाद रात को सोते समय इसबगोल की भूसी का प्रयोग कीजिए। कब्ज से राहत मिलेगी। यदि इसके प्रयोग से पर्याप्त लाभ नहीं मिलता है तो इसकी मात्रा में बदलाव कर परीक्षण करें। यह किसी प्रकार का नुकसान नहीं करता है। शुद्ध जल का प्रयोग करें। जले सर्व भेषजं। जल में सभी औषधियां विद्यमान होती है। तात्पर्य यह है कि जल का उचित मात्रा में उचित समय पर प्रयोग करने पर जल औषधि का कार्य करता है।

भारतीय जैन युवा परिषद ने किया वृक्षारोपण का कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन युवा परिषद की ओर से राजकीय प्राथमिक विद्यालय वरुण पथ मानसरोवर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र बोहरा , महामंत्री रवि रावका ने बताया कि युवा परिषद द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम पूरे वर्ष में 5 बार किया जाता है। मुकेश संयोजक विनोद जैन लदाना ने बताया कि युवा परिषद द्वारा पोधारोपण का कार्यक्रम किया जाता है उसमें सभी सदस्य इन वृक्षों की पूरी देखभाल और समय पर पानी और खाद की व्यवस्था करते हैं! कार्यक्रम में वार्ड पार्षद राम अवतार गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। युवा परिषद के सभी सदस्यों ने इस कार्यक्रम में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया एवं उपस्थित सभी लोगों को वृक्षारोपण का कार्यक्रम अधिक से अधिक करने के लिए प्रेरित किया।

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ में वृक्षारोपण दिवस मनाया गया

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख एवं निर्देशक डॉ. आर सी लोढा के स्नेहिल सानिध्य में छात्रों द्वारा 21 पौधों को रोपण किया गया। इस अवसर पर डॉ. नरेन्द्र पारख ने बच्चों को वृक्षों के महत्व, वृक्षारोपण के उद्देश्य एवं डॉ. आर सी लोढा ने वृक्षों की देखभाल के विषय में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे मुन्नों द्वारा ग्रीन डे भी मनाया जिसके अंतर्गत बच्चों ने हरे रंग से चित्रकारी की। हरियाली के इस उत्सव ने छात्रों और शिक्षकों के चेहरों पर मुस्कान सजा दी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

प.पू.भारत गौरव.गणिनी आर्यिका गुरुमाँ १०८

विज्ञाश्री माताजी

51वाँ अवतरण दिवस

अंकिता से बनी विज्ञाश्री

मध्यप्रदेश दमोह जिले में अतिशय व सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर के निकट गैसाबाद की पुण्य धरा पर सावन वदी चतुर्दशी 2 अगस्त को पुष्य नक्षत्र की शुभ बेला में जन्म हुआ। माता गेंदाबाई एवं पिता श्री अमरचन्द जी अंकिता बेटी को पाकर आनंदित हुये। परिवार में 6 भाई तीन बहिनों की चहेती थी। लौकिक शिक्षा अतिशय क्षेत्र महावीर जी होस्टल कमला बाई आश्रम में इन्टर तक प्राप्त की। निवास भोपाल में रहा।माँ की धार्मिक प्रवृत्तियों ने बेटी को भी प्रति समय धार्मिक संस्कारों से सुसज्जित किया अर्थात अनुशासन, सदाचार, मर्यादा आदि गुणों से युक्त उनकी जीवन शैली जीने का तरीका अन्य लोगों की अपेक्षा बहुत अच्छा था। माँ के द्वारा दिये गये सुसंस्कार देव दर्शन, दान आदि के बढ़ते हुये क्रम से त्याग में परिवर्तित हो गये। काल परिवर्तन के इस दौर में 28 अगस्त 1990 में 40 वर्ष की उम्र में इनकी माँ का हार्ट अटैक होने से देहावसान हो गया। इस दुखद घटना को देखकर घर की अटूट संपत्ति- अंकिता के चेहरे पर उदासी छा गई। धर्म के प्रति श्रद्धा डगमगाने लगी पुनः चिन्तन में डूब गई कि घर में भाइयों का इतना बड़ा व्यवसाय चारों तरफ फैला है 40-40 वाहन चलते हैं लेकिन यह अपार संपत्ति किस काम की विचारों में एक झटका सा लगा और इस दुखद संसार से उदासीन होकर वैराग्य की लहर फूट पड़ी। श्रेयांसगिरी क्षेत्र पर विराजित प.पू. गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी मुनिराज से 28 दिसम्बर 1993 को ब्रहमचर्य व्रत ग्राहण कर लिया 26 फरवरी 1995 सिद्ध क्षेत्र आहर जी में गणाचार्य गुरुवर के कर कमलों द्वारा आर्यिका दीक्षा धारण करके अपने जीवन को संयम रूपी आभुषणों से सुसज्जित कर लिया।संयम की वेदी पर कदम रखते ही उनका जीवन पवित्र पावन एवं उत्कृष्टता की ओर वृद्धिंगत होता रहा। गुरु माँ ने अपने 21 वर्षीय संयम काल में लगभग डेढ़ लाख कि.मी. की पदयात्रा (12 प्रान्तों की) के अन्तर्गत 5-6 लाख माँसाहारी प्राणियों को शाकाहारी बनाकर अहिंसा का शंखनाद किया। अनेकों स्थानों पर धार्मिक अनुष्ठान पंच कल्याणक, वेदी प्रतिष्ठा, विधान आदि के माध्यम से धर्म प्रभावना की। छोटे से छोटे गाँवों मे जीर्ण-शीर्ण जिनालयों का जीर्णोद्धार एवं मंदिर व संत शालाओं के शिलान्यास आदि माता जी की प्रेरणा से जगह-जगह संपन्न हुये। 2018 में गुरु माँ के आशीर्वाद से विज्ञा ज्योति सेवा समिति द्वारा 108 वरिष्ठ नागरिकों को श्रवणबेलगोला अतिशय क्षेत्र की निःशुल्क हवाई यात्रा करवायी गई। इस उपलक्ष्य में गुरु माँ को वर्ल्ड बुक ऑफ रेकार्ड एवं इण्डिया बुक ऑफ रिकार्ड का अवार्ड मिला।

वर्ष 2019 में 24 से 26 फरवरी तक गुरू मां का राष्ट्रीय रजत जयंती महा-महोत्सव का कार्यक्रम अनेकों भक्ति में प्रोग्रामों के साथ धूम-धाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस कार्यक्रम की शुरु दिशा कुमारी दीपन जारोहण से हुईइस माँ के आशीर्वाद से संपूर्ण कार्यक्रम संपन्न हुने।इस महोत्सव के उपलक्ष्य में ब्रिटिश पार्लिया मट लंदन द्वारा गुरु माँ को भारत का गौरव का अवॉर्ड देकर सम्मानित किया'2020 में रजत महोत्सव का समापन भी 2500 जोड़ों के द्वारा गणिनी आर्यिका सुपार्श्व मति माता जी जी को के समाधि स्थल बड़ के बाला जी में संपन्न हुआ। समस्त चूड़ीवाल परिवार ने भरपूर सहयोग किया।उपकारी शुरु माँ की पावन प्रेरणा एवं प्रभावपुंज सानिध्य में 27 नवम्बर 2022 को सहस्रकूट विज्ञातीर्थ का भव्य शिलान्यास 2023 के चातुर्मास 25 जुलाई 2023 को सहस्रकूट विज्ञातीय हुआ। में आर्यिका संघ का मंगल प्रवेश अत्यन्त उत्साह पूर्वक हुआ। भारत में 29 जुलाई 2023 को श्री शान्तिनाथ भगवान की अति मनोज प्रतिमा की वेदी प्रतिष्ठा (पंच कल्याणक महोत्सव के साथ) प्रतिष्ठाचार्य विमल जी बनेठा के विधि विधानों के द्वारा निर्विघ्न संपन्न हुई। चातुर्मास का कार्यक्रम 9 जुलाई 2023 को अत्यधिक भव्यता के साथ सत्येन्द्र एण्ड पार्टी की स्वर लहरियों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। चातुर्मास का मुख्य प्रथम (तीर्थंकर) कलश लोकेश कुमार जैन ने कोटा वालों ने स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त किया। इस अवसर पर कोटा से आये 500 भक्तों ने चार चाँद लगाये एवं जयपुर, निवाई, चाकसू सवाईमाधोपुर, टोंक, देवली, बूँदी, रेनवाल, आदि अनेकों स्थानों से आये हुये (6-7 हजार) जनसमूह ने भाग लिया।

श्री शांतिनाथाय नमः

प.पू.भारत गौरव.सहस्रकूट विज्ञातीर्थ प्रणेत्री गणिनी आर्यिका १०५

विज्ञाश्री माताजी

स्वर्णिम जयन्ती महोत्सव

(समापन) के शुभ अवसर पर

प.पू.गणाचार्य १०८ श्री विरागसागर जी महाराज

श्री दिगम्बर जैन सहस्रकूट विज्ञातीर्थ पर

श्री शांतिनाथ भगवान के पादमूल में होगा

51 जोडों के साथ

ऋद्धि-सिद्धि.सुख-शांति प्रदायक.
रोग-शोक.विघ्न-बाधा निवारक.
ग्रह क्लेश नाशक.बुद्धि-समृद्धि प्रदायक.

श्री श्री १००८

शांतिनाथ महानुष्ठान (विधान)

2 अगस्त 2023 बुधवार

राकेश -समता गोदिका, मनीष-शोभना लोंग्या, दर्शन विनिता जैन, विनोद-हेमा सोगाणी, राकेश-रेनु सांगी , चक्रेश -पिंकी जैन, अनिल-अनिता जैन, अनिल-निशा सांगी, राजेश- रानी पाटनी एवं श्री दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप सन्मति एवं समस्त सदस्य

तारानगर महिला मंडल ने सावन लहरिया उत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

सभी को सावन की फुआरो में भिगोने के लिए कानोता कैंप रिसॉर्ट में पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर तारानगर महिला मंडल ने सावन लहरिया उत्सव बड़े ही धूम धाम से मनाया। लहरिये की चुनरी उड़ाकर सभी महिलाओं का स्वागत किया गया और फिर वेलकम ड्रिंक, स्टार्टर्स के साथ सावन उत्सव की शुरूआत की पूरे दिन म्यूजिक मस्ती, हाउजी, मजेदार गेम्स, वॉटरपार्क, स्विमिंग पूल में जोरो शोरो से सभी महिलाओं ने मिलकर खूब धमाल किया। सावन के महीने में चूरमा दाल बाटी का आनंद लिया। और ये सुनहरी यादे कैद कर सब अपने घर के लिए रवाना हो गए ।

आशीष जैन आवा को जैन राजनीतिक चेतना मंच में राजस्थान मीडिया प्रभारी बनाया

आवा, टोंक. शाबाश इंडिया। विद्याशीष हथकरघा आवा के चेयरमैन हथकरघा क्षेत्र में राजस्थान में विशेष कार्य करने वाले समाज सेवक आशीष जैन आवा को जैन राजनीतिक चेतना मंच में राजस्थान मीडिया प्रभारी का दायित्व राष्ट्रीय व प्रदेश प्रमुख मुकेश चेलावत द्वारा प्रदान किया गया। आशीष जैन सामाजिक कार्य करने में सदैव आगे रहते हैं और उन्होंने आचार्य विद्यासागर जी सुधासागर जी महाराज जी की प्रेरणा से संचालित हथकरघा से अनेकों युवाओं महिलाओं को जोड़ा है और ग्रामीण क्षेत्र में जयपुर रोजगार प्रदान किया है। इसके लिए राजस्थान सरकार ने भी समिति को भी पुरस्कृत किया है।इस अवसर पर आशीष जैन ने कहा कि शीघ्र ही प्रदेश की पूरी मीडिया टीम का गठन किया जाएगा और जैन राजनीतिक चेतना मंच के कार्यों को वर्तमान समय में सबसे प्रभावी सोशल मीडिया पर लाया जाएगा।

तीये की बैठक

मेरे भतीजे

श्री मनीष पाटनी

पुत्र स्व. श्री सुभाष चंद्र पाटनी का स्वर्गवास 01.08.2023 को हो गया। तीये की बैठक 03.08.2023 को प्रातः 9:00 बजे भट्टारकजी की नसिया में होगी।

शोकाकुल: अरुण- मीना (चाचा-चाची), निधि (धर्मपत्नी), राजेन्द्र-सीमा, विकास-संगीता, नवरतन, वाणिप्रकाश, मनोज, राकेश, मुदित (भाई), सुशीला तोतूका, महेन्द्र सोनी, अन्जू- कमल (बुआ- फूफा), तनिष, मोलिक (पुत्र), संभव, समर्थ (भतीजे), प्रतिभा- राकेश, गामा- महेंद्र ठोलिया सीमा- राकेश, सरिता- राजीव, नीलिमा- रविन्द्र, कुमुद- मनीष, मेघना- वीरेन्द्र (बहन-बहनोई) लवनीश, सुशांत, ठोलिया (भांजे) समस्त दरोगा पाटनी परिवार। बिचले के दिन की बैठक दरोगाजी की हवेली, हल्दियों के रास्ते में होगी।
मोबाइल 9694737514